उच्चतर माध्यमिक स्तर के छात्रों की बुद्धि एवं पारिवारिक सम्बन्धों का अध्ययन

श्याम नारायण त्रिपाठी(उपप्राचार्य), उमेष सिंह (प्रवक्ता), अषीष जैन(प्रवक्ता)
बषीधर महाविद्यालय,उरई जालौन

परिवार समाज की एक मौलिक इकाई है। परिवार में ही बालक का जन्म होता है तथा वह पारिवारिक परस्थितियों के मध्य बड़ा होता है इसीलिये परिवार को ही जीवन की प्रथम पाठशाला कहा जाता है। परिवार ही बालक के विकास के मापदण्ड को निर्धारित करता है। माता–पिता के रहन–सहन तथा उनके जीवन का स्तर, उनकी विचारधारा आदि का प्रभाव बालक के व्यक्तित्व पर पड़ता है। अतः परिवार का व्यक्ति के शैक्षिक, बौद्धिक, व्यवसायिक सामाजिक आदि सभी प्रकार के विकास में महत्वपूर्ण योगदान होता है।

औपचारिक शिक्षा प्रारम्भ होने से पूर्व अभिभावकों द्वारा बालक में अनेकों संस्कारों एवं शिक्षा का समावेश होता है। बालक का शैक्षिक विकास एवं ज्ञान का विकास पारिवारिक परिवेश में ही प्रोन्नत होता है इसलिए शिक्षा का कोई भी स्तर हो, उस पर पारिवारिक सम्बन्धों का प्रभाव अवश्य पड़ता हे।

पेस्टालॉजी के अनुसार –

''परिवार, प्यार तथा स्नेह का केन्द्र, शिक्षा का सर्वोत्तम स्थान व बालक की प्रथम पाठशाला कहा जाता है।''

परिवार और शिक्षा एक दूसरे से सम्बन्धित है पारिवारिक वातावरण का बालक की शिक्षा पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है। विद्वानों ने अध्ययन में पाया कि जो बालक अच्छे पारिवारिक वातावरण से आते हैं, जहाँ उन्हें परिवार का महत्वपूर्ण सदस्य माना जाता है, उन्हें निश्चित स्वतन्त्रता प्रदान की जाती है, पारिवारिक उत्तरदायित्व का अनुभव कराया जाता है, उनकी रूचि एवं योग्यतानुसार निश्चित क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, उन बालकों की शैक्षिक उपलब्धि उच्च कोटि की होती है। इस प्रकार के पारिवारिक सम्बन्ध बालक के शैक्षिक विकास को गुणात्मक रूप से प्रभावित करते हैं किन्तु आज के भौतिकवादी युग ने पारिवारिक सम्बन्धों व मूल्यों में परिवर्तन उत्पन्न किया है और इस बदलती हुई सामाजिक व्यवस्था में बालक को अनेकों अनुभवों से गुजरना पड़ता है। अभिभावकों द्वारा बालकों पर अनुचित दबाव, शीघ्र प्रोन्नति की कामना उन्हें वांछित समय न दे पाना आदि ऐसे पारिवारिक कारण हैं जो बालक को निश्चित रूप से प्रभावित करते हैं।

अतः बालक परिवार, विद्यालय व स्वयं में उचित, समायोजन नहीं स्थापित कर पाता जिसके कारण उसमें अनेक प्रकार के प्रतिकूल संवेग उत्पन्न हो जाते हैं जैसे–कुण्ठा, शीघ्र उत्तेजना, नई परिस्थितियों में अपनी विचारधारा को सुव्यवस्थित न कर पाना, अपनी योग्यता पर विश्वास न होना आदि। इन सभी का प्रभाव निश्चित रूप से बालक की बुद्धि एवं शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ता है। अतः आवश्यकता इस बात की है कि इन सभी कारकों पर शीघ्रातिशीघ्र ध्यान दिया जाये। इसी समस्या से प्रेरित होकर मेरे द्वारा यह शोध कार्य किया जा रहा है।

अध्ययन की आवष्यकता एवं महत्व –

परिवार समाज की आधारभूत इकाई है, पारिवारिक सम्बन्ध माता–पिता का रहन–सहन, जीवन स्तर, विचारधारा का प्रभाव बालक के व्यक्तित्व पर पड़ता है। परिवार एक ऐसी कड़ी है जो व्यक्ति को समाज से जोड़ती है अगर पारिवारिक वातावरण व पारिवारिक सम्बन्ध अच्छे हैं तो निश्चित तौर पर बालक का बौद्धिक विकास उच्च कोटि का होगा। कई शिक्षाशास्त्री इस बात से सहमत हैं कि ''बच्चे के विकास में माता–पिता की भूमिका सबसे अहम् होती हैं।'' क्योंकि परिवार ही बालक की प्रथम पाठशाला है। अभिभावकों के व्यक्तित्व व पारिवारिक सम्बन्धों का प्रभाव बालक की बुद्धि व शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ता है।

शिक्षा जीवन पर्यन्त चलने वाली प्रक्रिया है जो निश्चित रूप से परिवार व विद्यालय द्वारा प्रभावित होती है। शिक्षा की दृष्टि से यह अध्ययन इसलिए उपयोगी है कि शिक्षक यह जान सके कि बच्चे का अपने अभिभावकों के साथ कैसा सम्बन्ध है? अगर प्रतिकूल हैं तो विद्यालय बालकों को मधुर सम्बन्ध बनाने के लिए प्रेरित कर सकें, साथ ही पारिवारिक सदस्यों से भी मधुर सम्बन्ध बनाए रखने के लिए आग्रह कर सकें। ताकि यह सम्बन्ध बालक के बौद्धिक विकास में सहायक हो सके।

बालक के सर्वांगीण विकास के लिए बालक की रूचियों, उसकी क्षमताओं, उसकी मनोवृत्तियों आदि का ज्ञान आवश्यक है। जब तक घर, विद्यालय तथा घर में माता–पिता और बच्चों में उत्तम तथा प्रभावशाली सम्बध स्थापित नहीं होगें, उनका बौद्धिक विकास पूर्ण रूप से नहीं हो सकेगा।

इस प्रकार यह शोध कार्य परिवार में माता–पिता तथा बच्चों में समन्वय तथा सहयोग स्थापित करके बालकों में आत्मविश्वास, आत्मनिर्भरता व बौद्धिक विकास आदि पैदा करने में सहायक होगा।

उद्देष्य –

1. माता द्वारा उच्च एवं निम्न स्वीकारोक्ति पारिवारिक सम्बन्ध के छात्र एवं छात्राओं की बुद्धि का अध्ययन।
2. पिता द्वारा उच्च एवं निम्न स्वीकारोक्ति पारिवारिक सम्बनध की छात्राओं एवं छात्र की बुद्धि का अध्ययन।
3. माता द्वारा उच्च एवं निम्न एकाग्रता पारिवारिक सम्बन्ध के छात्र एवं छात्राओं की बुद्धि का अध्ययन करना।
4. पिता द्वारा उच्च एवं निम्न एकाग्रता पारिवारिक सम्बन्ध के छात्र–छात्राओं की बुद्धि का अध्ययन करना।
5. माता द्वारा उच्च एवं निम्न अस्वीकारोक्ति पारिवारिक सम्बन्ध के छात्र–छात्राओं की बुद्धि का अध्ययन करनां
6. पिता द्वारा उच्च एवं निम्न अस्वीकारोक्ति पारिवारिक सम्बन्ध के छात्र एवं छात्राओं की बुद्धि का अध्ययन करना।

परिकल्पना –

1. माता द्वारा उच्च एवं निम्न स्वीकारोक्ति पारिवारिक सम्बन्ध के छात्र एवं छात्राओं की बुद्धि में सार्थक अन्तर होता है।
2. पिता द्वारा उच्च एवं निम्न स्वीकारोक्ति पारिवारिक सम्बन्ध के छात्र एवं छात्राओं की बुद्धि में सार्थक अन्तर होता है।
3. माता द्वारा उच्च एवं निम्न एकाग्रता पारिवारिक सम्बन्ध के छात्र एवं छात्राओं की बुद्धि में सार्थक अन्तर होता है।
4. पिता द्वारा उच्च एवं निम्न एकाग्रता पारिवारिक सम्बन्ध के छात्र एवं छात्राओं की बुद्धि में सार्थक अन्तर होता है।
5. माता द्वारा उच्च एवं निम्न अस्वीकारोक्ति पारिवारिक सम्बन्ध के छात्र /छात्राओं की बुद्धि में सार्थक अन्तर होता है।
6. पिता द्वारा उच्च एवं निम्न अस्वीकारोक्ति पारिवारिक सम्बन्ध के छात्र /छात्राओं की बुद्धि में सार्थक अन्तर होता है।

शोध प्रारूप –

1) अध्ययन विधि –

प्रस्तुत शोध में सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है।

2) न्यादर्शन विधि –

प्रस्तुत शोध हेतु उद्देश्य पूर्ण विधि का प्रयोग कर जनपद जालौन के 4 विद्यालयों से 50 छात्र एवं 50 छात्राओं का चयन किया गया।

3) अध्ययन में प्रयुक्त उपकरण –

<u>परिवारिक सम्बन्ध सूची</u>–

डॉ0 जगदीश चन्द्र सिन्हा
डॉ0 श्रमती जी0पी0 शैरी

<u>सामूहिक मानसिक योग्यता परीक्षण</u>–

डॉ0 आर0 के0 टण्डन।

4) सांख्यिकीय विधियाँ–

- काई परीक्षण

$$x^2 = \frac{\Sigma(f_o - f_e)^2}{f_e}$$

- स्वतन्त्राश

$$(C-1)(r_1-1)$$

- 2×2 आसंग सारणी में काई वर्ग

$$x^2 = \frac{N(AD-BC)}{(A+B)(C+D)(B+D)(A+C)}$$

प्रदत्तों का विष्लेषण एवं व्याख्या –

परिकल्पना 1 का परीक्षण

माताओं द्वारा उच्च एवं निम्न स्वीकारोक्ति पारिवारिक सम्बन्ध की छात्राओं एवं छात्रों की बुद्धि का अध्ययन।

सारणी – 1

क्र0	विद्यार्थी	बुद्धि\माता(स्वीकृत)	उच्च स्वीकृति	निम्न स्वीकृति	सार्थकता	काई का मान
1.	छात्राएं	उच्च \ बुद्धि	13	08	.01	10.55
2.	छात्राएं	निम्न \ बुद्धि	05	24		
3.	छात्र	उच्च \ बुद्धि	14	09	.01	9.455
4.	छात्र	निम्न \ बुद्धि	05	22		

तालिका से स्पष्ट है कि उच्च एवं निम्न बुद्धि की छात्राओं द्वारा काई वर्ग का अवलोकित मान 10.545 है जो .01 सार्थकता स्तर के मान 6.64 से अधिक है अतः स्पष्ट है कि माताओं द्वारा उच्च एवं निम्न स्वीकारोक्ति पारिवारिक सम्बन्ध की छात्राओं की बुद्धि में सार्थक अन्तर पाया जाता है।

छात्रों की तालिका से स्पष्ट होता है कि काई वर्ग का अवलोकित मान 9.455 है जो . 01 सार्थकता स्तर के मान 6.64 से अधिक है अतः माताओं द्वारा उच्च एवं निम्न स्वीकारोक्ति पारिवारिक सम्बन्ध के छात्रों की बुद्धि में सार्थक अन्तर पाया जाता है।

परिकल्पना 2 का परीक्षण

पिता द्वारा उच्च एवं निम्न स्वीकारोक्ति पारिवारिक सम्बन्ध की छात्राओं एवं छात्रों की बुद्धि का अध्ययन –

सारणी – 2

क्र0	विद्यार्थी	बुद्धि\माता(स्वीकृत)	उच्च स्वीकृति	निम्न स्वीकृति	सार्थकता	काई का मान
1.	छात्राएं	उच्च \ बुद्धि	12	09	.01	8.641
2.	छात्राएं	निम्न \ बुद्धि	5	24		
3.	छात्र	उच्च \ बुद्धि	13	10	.01	11.770
4.	छात्र	निम्न \ बुद्धि	03	24		

तालिका से स्पष्ट है कि उच्च एवं निम्न बुद्धि की छात्राओं द्वारा काई वर्ग का अवलोकित मान 8.641 है जो .01 सार्थकता स्तर के मान 6.64 से अधिक है अतः स्पष्ट है कि उच्च एवं निम्न स्वीकारोक्ति पारिवारिक सम्बन्ध की छात्राओं की बुद्धि में सार्थक अन्तर पाया जाता है।

वहीं छात्रों की तालिका से स्पष्ट होता है कि काई वर्ग का अवलोकित मान 11.770 है जो .01 सार्थकता स्तर के मान 6.64 से अधिक है अतः पिताओं द्वारा उच्च एवं निम्न स्वीकारोक्ति पारिवारिक सम्बन्ध के छात्रों की बुद्धि में सार्थक अन्तर है।

परिकल्पना 3 का परीक्षण

माताओं द्वारा उच्च एवं निम्न एकाग्रता पारिवारिक सम्बन्ध की छात्राओं एवं छात्रों की बुद्धि का अध्ययन –

सारणी – 3

क्र0	विद्यार्थी	बुद्धि\माता(स्वीकृत)	उच्च स्वीकृति	निम्न स्वीकृति	सार्थकता	काई का मान
1.	छात्राएं	उच्च \ बुद्धि	09	12	.01	5.347
2.	छात्राएं	निम्न \ बुद्धि	04	25		
3.	छात्र	उच्च \ बुद्धि	08	15	.01	2.714
4.	छात्र	निम्न \ बुद्धि	04	23		

तालिका से स्पष्ट है कि उच्च एवं निम्न बुद्धि की छात्राओं द्वारा काई वर्ग का अवलोकित मान 5.347 है जो .01 सार्थकता स्तर के मान 6.64 से कम है अतः स्पष्ट है कि माताओं द्वारा उच्च एवं निम्न एकाग्रता पारिवारिक सम्बन्ध की छात्राओं की बुद्धि में सार्थक अन्तर नहीं है।

वहीं छात्रों की तालिका से स्पष्ट होता है कि काई वर्ग का अवलोकित मान 2.714 है जो .01 सार्थकता स्तर के मान 6.64 से कम है अतः माताओं द्वारा उच्च एवं निम्न एकाग्रता पारिवारिक सम्बन्ध के छात्रों बुद्धि में सार्थक अन्तर नहीं है।

परिकल्पना 4 का परीक्षण

पिताओं द्वारा उच्च एवं निम्न एकाग्रता पारिवारिक सम्बन्ध की छात्राओं एवं छात्रों की बुद्धि का अध्ययन –

सारणी – 4

क्र0	विद्यार्थी	बुद्धि\पिता(स्वीकृत)	उच्च स्वीकृति	निम्न स्वीकृति	सार्थकता	काई का मान
1.	छात्राएं	उच्च \ बुद्धि	16	05	.01	15.226
2.	छात्राएं	निम्न \ बुद्धि	06	23		
3.	छात्र	उच्च \ बुद्धि	14	09	.01	3.791
4.	छात्र	निम्न \ बुद्धि	09	18		

तालिका से स्पष्ट है छात्राओं कि उच्च एवं निम्न बुद्धि की छात्राओं द्वारा काई वर्ग का अवलोकित मान 15.226 है जो .01 सार्थकता स्तर के मान 6.64 से कम है अतः स्पष्ट है कि पिताओं द्वारा उच्च एवं निम्न एकाग्रता पारिवारिक सम्बन्ध की छात्राओं की बुद्धि में सार्थक अन्तर नहीं है।

वहीं छात्रों की तालिका से स्पष्ट होता है कि काई वर्ग का अवलोकित मान 3.791 है जो .01 सार्थकता स्तर के मान 6.64 से कम है अतः पिताओं द्वारा उच्च एवं निम्न एकाग्रता पारिवारिक सम्बन्ध के छात्रों की बुद्धि में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।

परिकल्पना 5 का परीक्षण

पिताओं द्वारा उच्च एवं निम्न अस्वीकारोक्ति पारिवारिक सम्बन्ध की छात्राओं एवं छात्रों की बुद्धि का अध्ययन –

सारणी – 5

क्र0	विद्यार्थी	बुद्धि\माता(स्वीकृत)	उच्च स्वीकृति	निम्न स्वीकृति	सार्थकता	काई का मान
1.	छात्राएं	उच्च \ बुद्धि	08	13	.01	.000139
2.	छात्राएं	निम्न \ बुद्धि	11	18		
3.	छात्र	उच्च \ बुद्धि	07	16	.01	1.034
4.	छात्र	निम्न \ बुद्धि	12	15		

तालिका से स्पष्ट है छात्राओं कि उच्च एवं निम्न बुद्धि की छात्राओं द्वारा काई वर्ग का अवलोकित मान .000139 है जो .01 सार्थकता स्तर के मान 6.64 से कम है अतः स्पष्ट है कि माताओं द्वारा उच्च एवं निम्न अस्वीकारोक्ति पारिवारिक सम्बन्ध की छात्राओं की बुद्धि में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।

वहीं छात्रों की तालिका से स्पष्ट होता है कि काई वर्ग का अवलोकित मान 1.034 है जो .01 सार्थकता स्तर के मान 6.64 से कम है अतः माताओं द्वारा उच्च एवं निम्न अस्वीकारोक्ति पारिवारिक सम्बन्ध के छात्रों बुद्धि में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।

परिकल्पना 6 का परीक्षण

पिताओं द्वारा उच्च एवं निम्न अस्वीकारोक्ति पारिवारिक सम्बन्ध की छात्र एवं छात्राओं की बुद्धि का अध्ययन –

सारणी – 6

क्र0	विद्यार्थी	बुद्धि\माता(स्वीकृत)	उच्च स्वीकृति	निम्न स्वीकृति	सार्थकता	काई का मान
1.	छात्राएं	उच्च \ बुद्धि	04	17	.01	0.183
2.	छात्राएं	निम्न \ बुद्धि	07	22		
3.	छात्र	उच्च \ बुद्धि	03	20	.01	1.991
4.	छात्र	निम्न \ बुद्धि	08	19		

तालिका से स्पष्ट है छात्राओं कि उच्च एवं निम्न बुद्धि की छात्राओं द्वारा काई वर्ग का अवलोकित मान 0.183 है जो .01 सार्थकता स्तर के मान 6.64 से कम है अतः स्पष्ट है कि पिताओं द्वारा उच्च एवं निम्न अस्वीकारोक्ति पारिवारिक सम्बन्ध की छात्राओं की बुद्धि में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।

वहीं छात्रों की तालिका से स्पष्ट होता है कि कई वर्ग का अवलोकित मान 1.991 है जो .01 सार्थकता स्तर के मान 6.64 से कम है अतः पिताओं द्वारा उच्च एवं निम्न अस्वीकारोक्ति पारिवारिक सम्बन्ध के छात्रों की बुद्धि में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।

अध्ययन के निष्कर्ष –

1. माताओं द्वारा उच्च एवं निम्न स्वीकारोक्ति पारिवारिक सम्बन्धों की छात्राओं की बुद्धि में सार्थक अन्तर है जबकि माताओं द्वारा उच्च एवं निम्न स्वीकारोक्ति पारिवारिक सम्बन्ध के छात्रों की बुद्धि में भी सार्थक अन्तर पाया गया है।
2. पिताओं द्वारा उच्चा एवं निम्न स्वीकारोक्ति पारिवारिक सम्बन्धों की छात्राओं की बुद्धि में सार्थक अन्तर है क्योंकि पिता द्वार उच्च एवं निम्न स्वीकारोक्ति पारिवारिक सम्बन्ध के छात्रों की बुद्धि में भी सार्थक अन्तर पाया गया है।

3. माताओं द्वारा उच्च एवं निम्न एकाग्रता पारिवारिक सम्बन्ध की छात्राओं की बुद्धि में सार्थक अन्तर नहीं है क्योंकि माताओं द्वारा एच्च एवं निम्न एकाग्रता पारिवारिक सम्बन्ध के छात्रों की बुद्धि में भी सार्थक अन्तर नहीं पाया गया है।
4. पिताओं द्वारा उच्च एवं निम्न एकाग्रता पारिवारिक सम्बन्ध की छात्राओं की बुद्धि में सार्थक अन्तर नहीं है क्योंकि पिताओं द्वारा एच्च एवं निम्न एकाग्रता पारिवारिक सम्बन्ध के छात्रों की बुद्धि में भी सार्थक अन्तर नहीं पाया गया है।
5. माताओं द्वारा उच्च एवं निम्न अस्वीकारोक्ति पारिवारिक सम्बन्ध की छात्राओं की बुद्धि में सार्थक अन्तर नहीं है क्योंकि माताओं द्वारा एच्च एवं निम्न अस्वीकारोक्ति पारिवारिक सम्बन्ध के छात्रों की बुद्धि में भी सार्थक अन्तर नहीं पाया गया है।
6. पिताओं द्वारा उच्च एवं निम्न अस्वीकारोक्ति पारिवारिक सम्बन्ध की छात्राओं की बुद्धि में सार्थक अन्तर नहीं है क्योंकि पिताओं द्वारा एच्च एवं निम्न अस्वीकारोक्ति पारिवारिक सम्बन्ध के छात्रों की बुद्धि में भी सार्थक अन्तर नहीं पाया गया है।

निष्कर्षों की व्याख्या –

प्रस्तुत शोध अध्ययन के परिणामस्वरूप यह ज्ञात हुआ है कि उच्च माध्यमिक स्तर पर विद्यार्थियों की बुद्धि पर पारिवारिक सम्बन्धों के प्रभाव का माता–पिता, उच्च एवं निम्न स्वीकारोक्ति, माता–पिता उच्च एवं निम्न एकाग्रता, माता–पिता उच्च एवं निम्न अस्वीकारोक्ति पारिवारिक सम्बन्ध के छात्र एवं छात्राओं की बुद्धि में अन्तर पाया जाता है। निष्कर्षो से यह भी ज्ञात होता है कि पिताओं द्वारा उच्च एवं निम्न एकाग्रता पारिवारिक सम्बन्धों की छात्राओं की बुद्धि में अन्तर है किन्तु छात्रों की बुद्धि में अन्तर नहीं है। अतः कहा जा सकता है कि अच्छे पारिवारिक सम्बन्ध बालकों के बौद्धिक विकास में प्रभावी भूमिका निभाते हैं।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. कपिल, एच0के0 'अनुसंधान विधियाँ, भार्गव भवन, आगरा, 2004।
2. गैरेट, हेनरी ई0 तथा आर0एस0 बुडवर्थ 'शिक्षा मनोविज्ञान में सांख्यिकीय, कल्याणी पब्लिशर्स, न ई दिल्ली, 2004।
3. बुच0एम0बी0, फोर्थ सर्वे ऑफ रिसर्ज इन एजूकेशन, 1983–88, एन0सी0ई0आर0टी0 नई दिल्ली।
4. सिंह, अरूण कुमार, उच्चतर सामान्य मनोविज्ञान मोतीलाल बनारसीदास, पटना 2006।
5- www.ericedu.gov.in